

Padma Shri



SMT. KALPANA MORPARIA

Smt. Kalpana Morparia, a distinguished figure in India's banking sector, has an illustrious career spanning over four decades, marked by exceptional leadership and expertise in financial services. With a solid educational foundation in Law and Science from the University of Mumbai, her professional journey has been characterized by remarkable achievements.

2. Born on 30th May, 1949, Smt. Morparia's tenure at J P Morgan as the Chief Executive Officer for India, overseeing corporate service centers and later expanding responsibilities to include oversight of ASEAN countries, exemplifies her strategic acumen and commitment to seamless client service. She played a pivotal role in integrating diverse business units, fostering leadership development, and ensuring alignment across internal stakeholders.

3. Prior to Smt. Morparia's role at J P Morgan, her distinguished career at ICICI Bank, where she ascended from Legal Associate to Joint Managing Director, underscores her significant contributions to India's financial landscape. She spearheaded initiatives ranging from setting up the Treasury to managing regulatory relationships, investor relations, resolution of distressed assets (including Dabhol Power Company) and serving as the Chief spokesperson for the ICICI Group. Her instrumental role in the merger that led to the creation of ICICI Bank, India's second-largest bank at the time, further solidified her reputation as a visionary leader.

4. In addition to her executive roles, Smt. Morparia has made invaluable contributions as an Independent Director on the boards of prominent companies like Dr. Reddy's Laboratories Limited, Hindustan Unilever Limited, HSBC Holdings PLC, and Philip Morris International Inc. She also actively engages in philanthropic endeavors, serving on governing boards and councils focused on education, skill development, and audit quality enhancement. Over the years, she has been a key member of several committees formed by the Government of India in the areas of company law, corporate governance and Limited Liability Partnership. She was also a member of Audit Advisory Board constituted by the Comptroller and Auditor General of India.

5. Smt. Morparia outstanding achievements have garnered widespread recognition. She was listed as one of 'The 100 Most Powerful Women' by Forbes Magazine in 2006 and 50 Most Powerful Women in International Business' by Fortune magazine in 2008. She was among the 25 most powerful women in Indian business by Business Today for 7 years. She was honoured with the 12th Kelvinator GR8 Women's Award in 2013; L'Oreal Paris Femina Women Award for Leadership in business in 2013; Yuva unstoppable Youth Icon award in 2011; Women Philanthropist award 2010-2011 by FICCI flo; Best Women Director award 2013 by Asia Centre for Corporate Governance & Sustainability. She has also been conferred with an award by Bombay Management Association for Management Women Achiever of the year 2012-2013 and by Association of International Wealth Management of India for India's Top 100 Women in Finance 2019.



श्रीमती कल्पना मोरपारिया

श्रीमती कल्पना मोरपारिया भारतीय बैंकिंग क्षेत्र की एक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व हैं और उनका चार दशकों से अधिक का शानदार करियर रहा है, जिसमें उन्होंने वित्तीय सेवाओं में असाधारण नेतृत्व और विशेषज्ञता प्रदर्शित की हैं। मुंबई विश्वविद्यालय से अपने कानून और विज्ञान में टोस शैक्षिक आधार पर, उनकी पेशेवर यात्रा उल्लेखनीय उपलब्धियों से भरी रही है।

2. 30 मई, 1949 को जन्मी, श्रीमती मोरपारिया का जे पी मॉर्गन में भारत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्यकाल, कॉर्पोरेट सेवा केंद्रों, और बाद में आसियान देशों के कार्यों की जिम्मेदारी, उनके रणनीतिक कौशल और निर्बाध ग्राहक सेवा के प्रति निष्ठा को दर्शाती है। उन्होंने विविध व्यावसायिक इकाइयों को एकीकृत करने, नेतृत्व विकास को बढ़ावा देने और आंतरिक हितधारकों के बीच समन्वय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

3. जेपी मॉर्गन में श्रीमती मोरपारिया की भूमिका से पहले, आईसीआईसीआई बैंक में उनका विशिष्ट करियर रहा, जहां वह लीगल एसोसिएट के पद से संयुक्त प्रबंध निदेशक के पद तक पहुंचीं। इससे भारत के वित्तीय परिदृश्य में उनके महत्वपूर्ण योगदान का पता चला है। उन्होंने ट्रेजरी की स्थापना से लेकर विनियामक संबंधों, निवेशक संबंधों, संकटग्रस्त संपत्तियों के समाधान (दाभोल पावर कंपनी सहित) के प्रबंधन और आईसीआईसीआई समूह के मुख्य प्रवक्ता के रूप में कार्य करने जैसी पहल का नेतृत्व किया। विलय में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के कारण भारत के दूसरे सबसे बड़े बैंक के रूप में आईसीआईसीआई बैंक का निर्माण हुआ, जिसने एक विजनरी लीडर के रूप में उनकी प्रतिष्ठा को और सुदृढ़ किया।

4. कार्यकारी भूमिकाओं के अलावा, श्रीमती मोरपारिया ने डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, एचएसबीसी होल्डिंग्स पीएलसी और फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल इंक जैसी प्रमुख कंपनियों के बोर्ड में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में अमूल्य योगदान दिया है। शिक्षा, कौशल विकास और ऑडिट गुणवत्ता वृद्धि पर केंद्रित गवर्निंग बोर्ड और परिषदों में सेवा करते हुए, वह मानवातावादी सेवाओं में भी सक्रियता से योगदान कर रही हैं। इन वर्षों में, वह कंपनी कानून, कॉर्पोरेट प्रशासन और लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप के क्षेत्रों में भारत सरकार द्वारा गठित कई समितियों की प्रमुख सदस्य रही हैं। वह भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा गठित ऑडिट सलाहकार बोर्ड की सदस्य भी थीं।

5. श्रीमती मोरपारिया की उत्कृष्ट उपलब्धियों को व्यापक प्रसिद्धि मिली है। उन्हें 2006 में फोर्ब्स पत्रिका द्वारा '100 सबसे शक्तिशाली महिलाओं' में से एक और 2008 में फॉर्च्यून पत्रिका द्वारा अंतरराष्ट्रीय व्यापार में 50 सबसे शक्तिशाली महिलाओं में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। वह 7 वर्षों तक बिजनेस टुडे द्वारा भारतीय व्यवसाय में 25 सबसे शक्तिशाली महिलाओं में से एक थीं। उन्हें 2013 में 12वें केल्विनेटर जीआर 8 महिला पुरस्कार से सम्मानित किया गया; 2013 में व्यवसाय में नेतृत्व के लिए लोरियल पेरिस फेमिना महिला पुरस्कार; 2011 में युवा अनस्टॉपेबल यूथ आइकन पुरस्कार; फिक्की प्लो द्वारा वुमेन फिलेंथ्रो पुरस्कार 2010-2011; एशिया सेंटर फॉर कॉरपोरेट गवर्नेंस एंड सस्टेनेबिलिटी द्वारा सर्वश्रेष्ठ महिला निदेशक पुरस्कार-2013 प्रदान किया गया। उन्हें बॉम्बे मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा वर्ष 2012-2013 के लिए मैनेजमेंट वुमेन अचीवर अवॉर्ड और एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल वेल्थ मैनेजमेंट ऑफ इंडिया द्वारा 2019 के लिए वित्तीय क्षेत्र में भारत की शीर्ष 100 महिलाओं के रूप में भी सम्मानित किया गया है।